भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय अष्व अनुसंधान केन्द्र
अष्व उत्पादन परिसर, बीकानेर

हिन्दी पखवाड़ा, 2015

अष्व उत्पादन परिसर, बीकानेर द्वारा 14 सितम्बर, 2015 से 28 सितम्बर, 2015 तक ''हिन्दी पखवाड़ा समारोह'' का आयोजन किया गया। पखवाड़े का शुभारम्भ दिनांक 14 सितम्बर को प्रभारी महोदय की अध्यक्षता में हिन्दी दिवस एवं अन्य कार्यक्रमों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान बुलाये गये अतिथि श्री मोहन सियाग, सहायक निदेषक, षिक्षा विभाग (राजस्थान) एवं श्री मनीष कस्वॉ, प्रधानाध्यापक, रा.मा.वि., किलचू की उपस्थिति भी रही।

14 सितम्बर को कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रभारी महोदय, डॉ. राम अवतार लेघा ने पखवाड़े के आयोजन का उद्धेष्य बताते हुए कहा कि हमारे केन्द्र द्वारा अनुसंधान एवं प्रषासनिक कार्यों में अधिक से अधिक हिन्दी का प्रयोग कैसे किया जा सकता है। इस विषय पर बल देते हुए प्रभारी ने विगत 22 सितम्बर 2015 को भा.कृ.अनु.प. द्वारा पधारे श्री मनोज कुमार, राजभाषा अधिकारी द्वारा दिए गये सुझावों को ध्यान में रखकर बताया कि हमारा उद्धेष्य कार्य को सहज बनाना है एवं इसके लिए सभी की इच्छा शक्ति की आवष्यकता है। हिन्दी में कार्य को और अधिक सुगम बनाने हेतु राजभाषा एवं प्रषासनिक ईकाई से अधिक सहयोग की अपेक्षा की गई। साथ ही सभी वैज्ञानिकों एवं प्रषासनिक ईकाई से अधिकतम कार्य को सुगम तरीके से हिन्दी में करने का आह्वान किया, जिससे हम अपने देष के द्वारा इस दिषा में निर्धारित उद्धेष्यों की प्राप्ति कर सकें एवं सहभागी बनकर अपने संस्थान, परिषद एवं देष का गौरव बढ़ा सकें। केन्द्र में पधारे अतिथियों ने अपने–अपने विचारों से कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

भा.कृ.अनु.प. के राजभाषा अधिकारी के द्वारा केन्द्र परिसर के निरीक्षण के दौरान दिए गये सुझावों की जानकारी केन्द्र के हिन्दी अधिकारी ने दी एवं उन सुझावों को क्रियान्वित करने की दिषा में सभी से सहयोग की अपेक्षा की। इस दिषा में प्रभारी महोदय के निर्णयों को महत्वपूर्ण कदम बताया और उन्ही के निर्देषानुसार जो कार्यक्रम पूर्व में नियमित रूप से नही हो पा रहे थे उनके आह्वान पर पुनः शुरू किए गये। परिणाम स्वरूप हिन्दी पखवाड़े का आयोजन, विभिन्न रूचिपूर्ण प्रतियोगितायें एवं कार्यषाला का आयोजन एवं पखवाड़े के समापन के दौरान केन्द्र के निदेषक महोदय की उपस्थिति, राजभाषा हिन्दी के महत्व को दर्षाती है।

हिन्दी दिवस के दौरान 'राजभाषा कार्यान्वयन समिति' का पुर्नगठन प्रभारी महोदय की अध्यक्षता में किया गया। हिन्दी पखवाड़े के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया वे निम्न प्रकार से रखी गई–

1. हिन्दी शब्द अनुवाद –	प्रथम– डॉ. रमेष कुमार देदड़ द्वितीय– डॉ. संजय कुमार रवि तृतीय– डॉ. तिरूमल राव एवं श्री बृजलाल
2. हिन्दी अनुच्छेद अनुवाद –	प्रथम– डॉ. संजय कुमार रवि द्वितीय– श्री बृजलाल एवं श्री नरेन्द्र चौहान तृतीय– डॉ. जितेन्द्र सिंह

3. हिन्दी सुलेख लेखन – (केवल घ वर्ग कर्मचारियों हेतु)

प्रथम– श्री अषोक कुमार
द्वितीय– श्री महाबीर प्रसाद मीणा

सांत्वना पुरस्कार – श्री गोपालनाथ गोस्वामी
सराहनीय कार्य हिन्दी – श्री कमल कुमार सिंह

उपरोक्त पुरस्कारों का वितरण 'हिन्दी पखवाड़ा समापन' समारोह के दौरान दिनांक 28.09.2015 को निदेषक महोदय की अध्यक्षता में किया गया। समापन समारोह के साथ–साथ केन्द्र परिसर ने 28 सितम्बर को अपना स्थापना दिवस एवं किसान गोष्ठी का आयोजन भी किया। केन्द्र के निदेषक डॉ. बी. एन. त्रिपाठी के साथ–साथ कार्यक्रम को विषिष्ट अतिथियों ने भी सम्बोधित किया। तीनों कार्यक्रम के एक साथ आयोजन से समारोह अत्यधिक रूचिपूर्ण बन गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए निदेषक महोदय ने बहुत ही मार्गदर्षक एवं ज्ञानवर्द्धक तथ्यों से अवगत कराते हुए हिन्दी के महत्व को एवं कार्य निष्पादन की सुगमता के तरीकों पर प्रकाष डाला। उन्होने इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपने–अपने कार्यक्षेत्रों में इच्छाषक्ति एवं कर्तव्य का निवर्हन करते हुए कार्य करने की अपील की। मुख्यतः वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि अपने अनुसंधान का लाभ किसानों, पषुपालकों तक तभी पहुॅचाया जा सकता है जब हमारा कार्य उनके अनुरूप होगा। इसके लिए अनुसंधान में किये जा रहे कार्यों का लाभ कैसे ग्रामीणों को मिल सके उसके बारें में बताते हुए हिन्दी भाषा को केन्द्रित कर उसके अधिकतम प्रयोग की आवष्यकता पर बल दिया। उन्होने कहा कि देष की अधिकतम जनता (लगभग 80 प्रतिषत) हिन्दी को अच्छे तरीके से बोलती एवं समझती है। आवष्यकता यह है कि हम अपने वैज्ञानिक कार्यों को प्रयोग में लेने के दौरान अपनी भाषा हिन्दी का अधिक से अधिक उपयोग करें। उन्होने अपने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विदेष दौरों का उदाहरण भी दिया और बताया कि वे देष को जिन उंचाईयों पर ले जाने के लिए प्रयासरत एवं कार्यरत है उसमें सभी जगह अपने देष की भाषा हिन्दी का ही प्रयोग कर रहे हैं जिससे विष्व पटल पर हमारे देष का गौरव बढ़ सके एवं देष विकास की दिषा में अग्रसर होते हुए उंचाईयों को प्राप्त कर सके। हम सभी को इस दिषा में अपना–अपना दायित्व समझते हुए कार्य करना होगा जिससे हम और हमारा केन्द्र देष के इस मिषन को सफल बनाने में अपनी भागीदारी प्रस्तुत कर सके।

समारोह के दौरान आये हुए अतिथियों में प्रमुखतः डॉ. त्रिभुवन शर्मा, अधिष्ठाता, राजस्थान पषुचिकित्सा एवं पषुविज्ञान महाविद्यालय, डॉ. एन. वी. पाटिल, निदेषक राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर एवं डॉ. हेमलता त्रिपाठी, प्रधान वैज्ञानिक (प्रसार), केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान, हिसार ने भी अपने–अपने मार्गदर्षक विचार रखे।

कार्यक्रम के अन्त में प्रभारी महोदय ने हिन्दी पखवाड़ा समापन पर अपने विचार रखते हुए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यक्रम सफल बनाने में योगदान के लिए आभार व्यक्त किया तथा डॉ. विजय कुमार, वैज्ञानिक ने कार्यक्रम में आये सभी आगन्तुक महानुभावों, किसानों एवं अधिकारियों/कर्मचारियों का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से कार्यक्रम को सफल बनाया जा सका।

(कमल कुमार सिंह)
हिन्दी अधिकारी
अ. उ. प., बीकानेर